नैक द्वारा 'बी' ग्रेड प्रत्यायित

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय

जंगल धूसड़- गोरखपुर

मो. : 7897475917, 9794299451

Website: www.mpm.edu.in

E-mail : mpmpg5@gmail.com

स्थापित २००५ ई.

पत्रांक : .....

दिनांक : 11.01.2019

प्रकाशनार्थ

महराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय जंगल धूसड़, के वनस्पति विभाग में **''वृक्षपूजा एवं विज्ञान विषय''** पर आयोजित विशिष्ट व्याख्यान का प्रस्ताविकी रखते हुए विभाग के प्रभारी **डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव** ने कहा कि वृक्ष के पालने में मनुष्य एवं अन्य प्राणियों का विकास हुआ है। आदिम जाति के समय से ही टैबू एवं टोटम के रूप में वृक्ष की महत्ता नकारी नही जा सकती है। पीपल वृक्ष, अक्षयवट, कदम्ब, नीम अशोक,आंवला इत्यादि के इर्द–गिर्द धार्मिक अवधारणाओं की ताना बाना हुए है। वस्तुतः आज भी वैज्ञानिक सोच के आधार पर भी देखा जाये तो इन सभी की महत्ता स्वीकार करी जा सकती है। आंवला विटामिन सी के प्रचुरता के लिए जाना जाता है और यदि अक्षय नवमी को आंवला के नीचे पूजा कर खाने की परम्परा है तो विचार करें, प्रसाद के रूप में आंवला फल खाने की सम्भावना कितनी प्रबल होगी। वृक्षपूजा एवं विज्ञान पर प्राचीन इतिहास विभाग के प्रभारी एवं **विशिष्ट व्याख्यानकर्ता डॉ. सुबोध कुमार मिश्र** ने कहा कि अशोक वाटिका में माता सीता को रखा गया था। कदम्ब के वृक्ष को भगवान श्री कृष्ण से जोड़ा गया है। इसके पुष्पो में जीवाणुनाशक गुण है। नीम के वृक्ष का भिन्न–भिन्न रुपों में दवा के रुप में उपयोग होता है। यह माता शीतला के वास के रूप में जाना जाता है। इसमें विषाणुनाशक गुण पाये जाते हैं। और चेचक रोकथाम में उपयोगी हैं। चन्दन की विशिष्टता शीतक एवं एंटीसेप्टिक के रुप में है तो पीपल आक्सीजन का अनवरत स्रोत है। नारियल में वृद्धि हारमोन काइनेटिन होता है। तो केला में कार्बोहाइड्रेट तथा खनिज की प्रचुरता होती है। शमी के वृक्ष पर शनिदेव का वास होता हैं एवं इसके छाल से गठियां ठीक होता है तो बीज मधुमेह नाशक है। बेलपत्र से भगवान शिव की पूजा होती है और यह मधुमेह निवारक भी है। वृक्षपूजा में वैज्ञानिक तथ्य भरे पड़े हैं। आवश्यकता है कि इनके वैज्ञानिक गणों को सामने लाया जाये। इस अवसर पर स्नातक एवं स्नातकोत्तर के 50 विद्यार्थी रहें। इस व्याख्यान में सुश्री आम्रपाली वर्मा, डॉ. अखिलेश कुमार गुप्ता एवं सुश्री अंजलि सिंह उपस्थित रहे।

(डॉ. राजेश शुक्ला)

सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी